'उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' ने उद्योग व्यवसाय को बढ़ावा दिया : केवी सिंह देव

ऊर्जा क्षेत्र में कुल 4.33 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ

भुवनेश्वर, (निप्र) : भारत में सबसे बड़े निवेश शिखर सम्मेलनों में से एक 'उत्कर्ष कॉन्क्लेव 2025' के दूसरे दिन 'विकसित ओडिशा के लिए अक्षय ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के लिए उपकरण निर्माण : एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना' विषय पर क्षेत्रीय सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव, निवेशकों और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर 1.24 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के विकास के लिए सौर, पवन, पंप स्टोरेज, बैटरी स्टोरेज और संपीड़ित बायो-गैस क्षेत्रों में एमसीएल, एनएलसी, आईओसीएल, ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी, आरईसीपीडीसीएल और एचपीसीएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उपमुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि इस आयोजन ने 3.09 लाख करोड़ रुपये के निवेश के इरादे से वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं को आकर्षित किया है। ऊर्जा क्षेत्र में कुल 4.33 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। राज्य में प्रचुर अवसरों के बारे में बोलते हुए उपमुख्यमंत्री सिंह देव ने कहा, सरकार हमारी अक्षय ऊर्जा आकांक्षाओं को पूरा करने और हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी करने की इच्छुक है। उन्होंने यह भी कहा कि, ओडिशा ने विकासशील ओडिशा 2047 के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण के तहत ऊर्जा विकास के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। हम पर्यावरणीय स्थिरता के साथ औद्योगिक विकास को संतुलित करने के लिए समर्पित हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी प्रगति समावेशी और जिम्मेदार दोनों है। यह सम्मेलन एक मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समाप्त हुआ और कॉन्क्लेव 30 जनवरी को जनता के लिए खुला रहेगा। इस सत्र में विभिन्न व्यवसायियों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों आदि सहित कुल 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव : कौशल विकास के लिए रोडमैप का अनावरण

भुवनेश्वर, (निप्र) : उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 का एक प्रमुख आकर्षण, स्किल्ड-इन-ओडिशा प्लेनरी सेशन बुधवार को आयोजित किया गया, जिसमें ओडिशा के प्रमुख कौशल केंद्र बनने के महत्वाकांक्षी रोडमैप को प्रदर्शित किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र में प्रतिष्ठित नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कौशल के साथ ओडिशा के युवाओं को सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अपने मुख्य भाषण में राज्य के युवाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, स्किल्ड-इन-ओडिशा जैसी पहलों के माध्यम से, हम एक उद्योग-तैयार कार्यबल सुनिश्चित कर रहे हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कुशल है, जो एक विकसित ओडिशा और एक विकसित भारत में योगदान दे रहा है। कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा और उद्योग मंत्री संपद चंद्र स्वाईं ने समग्र आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कौशल, पुन: कौशल और कौशल उन्नयन के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने सरकार की प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला और राज्य सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि स्किल्ड-इन-ओडिशा विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एसडीएंडटीई विभाग के आयुक्त-सह-सचिव भूपेंद्र सिंह पूनिया ने ओडिशा के कौशल लाभ का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें उभरती हुई कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने की राज्य की क्षमता पर जोर दिया गया। सत्र में दो आकर्षक पैनल चर्चाएं हुईं, जो विकसित ओडिशा 2036 और विकसित भारत 2047 के लिए कौशल पर केंद्रित थीं इस सत्र में उद्योग जगत के दिग्गजों, व्यापार जगत के नेताओं और छात्रों सहित 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्किल्ड-इन-ओडिशा पहल ओडिशा के युवाओं को सशक्त बनाने और विकसित ओडिशा-2036 और विकसित भारत-2047 को साकार करने में योगदान देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मधुमक्खियों के हमले में दो बकरी चरवाहा गंभीर

गंजाम, (संवाद सूत्र) : मधुमक्खियों के हमले में दो बकरी चरवाहें गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना गंजाम जिले के खल्लीकोट थाना क्षेत्र के चिकिली पंचायत के डी नुआपल्ली गांव की है। पीड़ितों की पहचान डी नुआपल्ली गांव के गणेश दास और चिकिली गांव के सुदर्शन दास के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश और सुदर्शन डी नुआपल्ली गांव के पास एक खेत में अपनी बकरियां चरा कर शाम को अपनी बकरियों के साथ घर लौट रह थे। तभी अचानक कहीं से सैकड़ों मधुमक्खियां आईं और दोनों बकरी चरवाहें पर हमला कर दिया। जिसके कारण बकरी चरवाहा गणेश दास जमीन पर गिर गया, वहीं सुदर्शन सुरक्षा के लिए पास के तालाब में कूद गया।

मां बिरजा का प्राण प्रतिष्ठा दिवस मना

देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़

जाजपुर, (संवाद सूत्र) : पवित्र त्रिवेणी अमावस्या पर बुधवार को जाजपुर की अधिष्ठात्री देवी मां बिरजा का प्राण प्रतिष्ठा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इसे लेकर मंदिर परिसर में आध्यात्मिक माहौल है। इस अवसर पर सुबह के समय मां को स्नान कराया गया और उन्हें विशेष परिधान पहनाया गया तथा उन्हें विशेष भोग और पेय अर्पण किया गया। इस दिन माता के दर्शन के लिए जाजपुर, राज्य और राज्य के बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां का दर्शन किया। पवित्र त्रिवेणी अमावस्या के अवसर पर जाजपुर की अधिष्ठात्री

देवी मां बिरजा के मंदिर में भारी भीड़ देखी गई। इस दिन माता बिरजा ब्रह्मा के यज्ञ से प्रकट हुई थीं। प्रात:काल माता को स्नान कराकर सोलह विधि से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को देवी सावित्री के सजे-धजे स्वरूप के दर्शन कराया। भक्तगण माता के सावित्री वेश का दर्शन कर अपने आपको धन्य माना। माता के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के अवसर पर प्रशासन द्वारा मंदिर को खूबसूरती से सजाया गया है। मंदिर के बाहर सुन्दर बालुका कलाकृति के माध्यम से देवी की पूजा की जाती है। सुबह-सुबह माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। शाम को मंदिर प्रशासन ने भजन संध्या सहित विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। मंदिर प्रशासन, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के सुव्यवस्थित दर्शन के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए मंदिर के अंदर और बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिलाधिकारी ने बउलगांव और रुकुणी गांव सोसायटी के धानमंडी का किया दौरा

छत्रपुर ब्लॉक के 37 प्रतिशत धान की खरीदारी हो चुकी है पूरी

छत्रपुर,(संवाद सूत्र) : गंजाम की जिलाधिकारी दिव्य ज्योति परिडा ने छत्रपुर ब्लॉक के बउलगांव और रुकुणी गांव सोसायटी धान मंडी का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने किसानों की सभी सुविधाओं और समस्याओं के बारे में जानकारी ली और कहा कि मंडी अधिकारी को जल्द से जल्द धान उठाना चाहिए। गौरतलब है कि छत्रपुर ब्लॉक में 37 प्रतिशत धान की खरीद पूरी हो चुकी है और पूरे गंजाम जिले में 58 प्रतिशत धान की खरीद पूरी हो चुकी

है। जिलाधिकारी परिडा ने मंडी का दौरा किया और धान की खरीद में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने किसानों को टोकन समाप्ति की अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह दी और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी पंजीकृत किसान निर्धारित समय के भीतर अपना धान बाजार में बेच सकते हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारी को धान खरीद टोकन की समाप्ति तिथि को 15 दिन और बढ़ाने का निर्देश दिया। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है कि किसी भी किसान को कोई समस्या न हो। जिलाधिकारी के दौरे के दौरान छत्रपुर उप जिलाधिकारी शिवाशीष बराल, जिला मुख्य आपूर्ति अधिकारी पुषा मुंडा, सहकारी समितियों के सहायक रजिस्ट्रार (एआरसीएस) योगमाया सावत, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुरेंद्र कुमार पाल, एमआई छत्रपुर वर्षा राणी पाढ़ी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कुष्ठ जागरुकता अभियान को लेकर समन्वय समिति ने की बैठक

जिलाधिकारी ने कुष्ठ रोगियों की पहचान कर उनका नि:शुल्क इलाज करने का दिया निर्देश

पारलाखेमुंडी, (संवाद सूत्र) : कुष्ठ जागरुकता अभियान-2025 की जिलास्तरीय समन्वय समिति की बैठक गजपति जिलाधिकारी के सम्मेलन कक्ष में जिलाधिकारी विजय कुमार दाश की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला मुख्य चिकित्सा व जनस्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद मुबारक अली, अतिरिक्त जिला चिकित्सा अधिकारी (कुष्ठ रोग) डॉ इंदिरा महापात्र, जिला जनस्वास्थ्य अधिकारी डॉ रबिनारायण दास, एडीपीओ डॉ आनंद शर्मा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सौम्या रानी गौड़ और जी राम कृष्ण नायडू के अलावा सभी ब्लॉकों से स्वास्थ्य निरीक्षक, डॉक्टर और अन्य कर्मचारी शामिल हुए। बैठक में जिलाधिकारी दाश ने कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कुष्ठ रोगियों की पहचान कर उनका नि:शुल्क इलाज करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि कुष्ठ रोग के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए 30 जनवरी से 13 फरवरी तक जिले के सभी प्रखंडों में ग्राम स्तर पर कुष्ठ रोग जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों ने कुष्ठ रोग की रोकथाम के प्रति जागरुकता बढ़ाने की शपथ ली। इसलिए जिला कलेक्टर ने सभी विभागों से समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करने का अनुरोध किया। हर गांव में कुष्ठ रोग जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और स्वयं सहायता समूह के सदस्य शामिल होंगे। प्रत्येक स्कूल से एक या दो छात्रा सपना स्वयंसेवक के रूप में काम करेंगे और कुष्ठ रोग के बारे में जागरुकता फैलाने में मदद करेंगे। सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों और जिला परिषद सदस्यों से कुष्ठ जागरुकता अभियान में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दुष्कर्म के आरोपित को सुनाई सजा

केंदुझर, (संवाद सूत्र) : केंदुझर की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पोक्सो कोर्ट की विशेष न्यायाधीश मोनालिसा मोहंती ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की मामले की सुनवाई करते हुए बुधवार को आरोपी को दोषी पाया तथा आरोपित को 20 साल सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। न्यायाधीश ने कहा कि जुर्माना न भरने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। मिली जानकारी के अनुसार 12 नवंबर, 2019 को एक मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग लड़की दोपहर के समय शौच के लिए पास के नदी के पास गई थी। इस बीच, सोसो थाना अंतर्गत कानपुर गांव के बसंत राउत ने नाबालिग लड़की को उठाकर उसका दुर्ष्कम किया। नाबालिग लड़की घर लौटी और अपने परिवार को घटना के बारे में बताया। इसी तरह, परिवार द्वारा सोसो थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी के खिलाफ अदालत में मुकदमा चलाया। 28 गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया और यह फैसला सुनाया। अदालत ने आदेश दिया है कि आरोपी से वसूला गया जुर्माना पीड़िता को दिया जाए। अदालत ने विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को दस लाख रुपये का मुआवजा देने की भी सिफारिश की है।

उत्कर्ष ओडिशा कार्यक्रम के दौरान विस्थापितों पर जानलेवा हमला निंदनीय : बीजेडी

भुवनेश्वर, (निप्र) : भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा कार्यक्रम के माध्यम से नए उद्योग स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा था। वहीं कलिंग नगर औद्योगिक क्षेत्र में शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे विस्थापित लोगों पर जानलेवा हमला को लेकर बीजू जनता दल ने बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। बीजेडी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री प्रीति रंजन घड़ेई ने शंख भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओडिशा को औद्योगिक रूप से समृद्ध राज्य के रूप में विकसित करने के लिए मेक इन ओडिशा कार्यक्रम शुरू किया था। जिसके माध्यम से 17 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता मिली। नवीन के प्रयासों से ओडिशा औद्योगिक प्रतिष्ठानों की पहली पसंद बन गया। इसके बाद लगभग 8 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं साकार हुईं और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। इस प्रक्रिया में जाजपुर जिले के कलिंग नगर एशिया का सबसे बड़ा इस्पात उद्योग केंद्र बन गया। वर्तमान सरकार मेक इन ओडिशा कार्यक्रम का नाम बदलकर उत्कर्ष ओडिशा के नाम से आयोजन कर रही है, लेकिन एक ओर नए औद्योगिक संस्थान स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कलिंग नगर में निर्दोष आदिवासी विस्थापितों पर जानलेवा हमला बेहद निंदनीय है। पुलिस की मौजूदगी में उन पर तब हमला किया गया जब विस्थापित महिलाएं शांतिपूर्वक अपनी मांगें रखने की कोशिश कर रही थीं। हमले का वीडियो दिखाते हुए घड़ेई ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में सादे कपड़ों में आए लोगों ने निर्दोष विस्थापित लोगों पर हमला किया। कई लोग घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। उद्योग लगाने के लिए घर-बार छोड़ने वाले लोगों पर ऐसा हमला होगा तो ओडिशा में नए प्रोजेक्ट कैसे लगेंगे। घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन प्रशासन या राज्य सरकार की ओर से कोई भी विस्थापितों तक नहीं पहुंचा। ओडिशा में नए उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विस्थापितों को सम्मान और उचित न्याय दिया जाना चाहिए। जब राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी समुदाय से हैं, तो जान गंवाने वाले आदिवासी भाई-बहनों पर हमला किया जा रहा है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इसलिए सरकार को तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप कर विस्थापित आदिवासी भाई-बहनों को उचित न्याय दिलाना चाहिए।

पारादीप पत्तन प्राधिकरण
पारादीप पोर्ट, 754142, ओडिशा, (भारत)
चिकित्सा विभाग
फाइल नं. सीएमओ-स्टोर/130/2023/58 दिनांक : 24.01.2025
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
पारादीप पत्तन प्राधिकरण की ओर से 'पीपीए अस्पताल में ट्रॉमा और बर्न केयर यूनिट के लिए पेशेवर जनशक्ति की आपूर्ति के साथ-साथ उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव के कार्य हेतु 5 वर्ष की अवधि के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसे 2 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है'। निविदा के लिए अनुमानित लागत 24,60,00,000.00 (चौबीस करोड़ साठ लाख रुपये) मात्र है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय दिनांक 13.02.2025 को 17.15 बजे है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://eprocure.gov.in/eprocure/app देखें।
पीपीए/पीआर/59/2024-2025
28/01/2025
वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्स अधिकारी
पारादीप पत्तन प्राधिकरण

आईसीएआर-सीफा ने किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया

460 से अधिक किसानों ने लिया हिस्सा

भुवनेश्वर, (काप्र) : आईसीएआर-केंद्रीय मीठे जल कृषि संस्थान द्वारा बुधवार को शहर के बाहरी इलाके कौशल्यागंगा में मीठे जल कृषि पर एक किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनगुल, भद्रक, ढेंकानाल, जगतसिंहपुर, खोद्र्धा और पुरी जिलों से 460 से अधिक किसानों और कृषि महिलाओं ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन परम पूज्य स्वामी आत्मप्रभानंदजी, सचिव महाराज, रामकृष्ण मिशन भुवनेश्वर ने किया। उन्होंने किसानों को विभिन्न तकनीकों के हस्तांतरण के लिए आईसीएआर-सीआईएफए द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने किसानों के लिए इस किसान मेला सह प्रदर्शनी के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर आईसीएआर-आईआईडब्ल्यूएम के निदेशक डा अर्जमादत्त षड़ंगी, ओयूएटी के डीन, विस्तार शिक्षा प्रो प्रसन्नजीत मिश्र, सोआ के कृषि विस्तार

एवं संचार विभाग के प्रो डा बिबुधा परासर शामिल थे। सबसे पहले आईसीएआर-सीआईएफए के निदेशक डा पीके साहू ने गणमान्य व्यक्तियों और किसानों का स्वागत किया। उन्होंने किसानों के लिए वैज्ञानिक मछली पालन पर जोर दिया। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों विशेषकर अनुसूचित जाति समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से संस्थान की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। वर्ष 2024 के दौरान, संस्थान ने कई इंटरफेस बैठकें, जागरुकता कार्यक्रम, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रदर्शन, प्रशिक्षण आयोजित किए और आठ राज्यों में 3000 से अधिक कृषक परिवारों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रदर्शित की जाने वाली महत्वपूर्ण तकनीकों में वैज्ञानिक कार्प संस्कृति, सजावटी मछली पालन, कार्प बीज पालन, कैटफ़िश पालन और एकीकृत मछली पालन शामिल हैं। इस किसान मेले के एक हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से जुड़े आठ संगठनों ने अपने उत्पादों, तकनीकों और प्रकाशनों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एस सिंह, एस.एम.एस. (कृषि विज्ञान) केवीके, खोद्र्धा को कृषक समुदाय के उत्थान के लिए उनकी 36 वर्षों की लम्बी सेवा के लिए संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। डा जीएस शाहा, प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सर्पदंश से छात्र की मौत

डीईओ ने प्रधानाध्यापिका को किया निलंबित, क्लास टीचर का हुआ तबादला

पुरी, (संवाद सूत्र) : पुरी जिले के पोपरांगा सरकारी प्राइमरी स्कूल में सफाई के दौरान एक छात्र को सांप के डसने की घटना में डीईओ ने प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया और क्लास टीचर का तबादला कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुरी जिले के पोपरांगा सरकारी प्राइमरी स्कूल में सोमवार को सफाई के दौरान एक छात्र को सांप ने डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छात्र चौथी कक्षा में पढ़ता था। क्लास टीचर ने बच्चे को काम पूरा न करने पर सजा दी थी। सजा के तौर पर उसने बच्चे से स्कूल परिसर में अनाज के गोदाम

की सफाई करने को कहा। सफाई के दौरान एक कोबरा आया और उसने बच्चे को डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि सफाई के दौरान एक कोबरा आया और बच्चे को डस लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के आरोपों के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने हस्तक्षेप किया और प्रभारी प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया और क्लास टीचर का तबादला कर दिया।

ईसीओआर अब रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेने वालों पर करेगी कार्रवाई

भुवनेश्वर, (काप्र) : ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने रेलवे ट्रैक के पास सेल्फी लेने की खतरनाक आदत के बारे में किशोरों और कॉलेज के छात्रों को सचेत करने के उद्देश्य से एक अभियान शुरू किया है। यह पहल दुर्घटनाओं में वृद्धि के जवाब में की गई है, जिसमें युवा लोग रेलवे ट्रैक के पास लघु वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने के प्रयास में दुखद रूप से अपनी जान गंवा देते हैं। रेलवे अधिनियम की धारा 147 और 153 के तहत, चलती ट्रेनों या रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेते पकड़े जाने पर भारी जुर्माना, कानूनी परिणाम या यहां तक कि जेल भी हो सकती है। यह याद दिलाता है कि सुरक्षा हमेशा सबसे पहले आती है, और कोई भी फोटो अपनी जान जोखिम में डालने लायक नहीं है। रेलवे स्टेशनों या पटरियों पर सेल्फी लेना सोशल मीडिया पर एक मजेदार गतिविधि की तरह लग सकता है, लेकिन यह एक जानलेवा जोखिम है। हाल के वर्षों में, कई दुर्घटनाएं सामने आई हैं, जहां छात्र या युवा असुरक्षित स्थानों पर सेल्फी लेते समय चलती ट्रेनों की चपेट में आ गए। इनमें से कई घटनाएं इसलिए हुईं क्योंकि लोग अपने आस-पास के खतरों पर ध्यान नहीं दे रहे थे - जैसे चलती ट्रेनें, ऊपर से गुजर रहे बिजली के उपकरण और भीड़भाड़ वाले स्टेशन क्षेत्र। इस बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए यह सख्त नियम लागू किए हैं।

भुवनेश्वर स्टेशन तक एलिवेटेड एप्रोच व एग्जिट रोड को मिली मंजूरी

भुवनेश्वर, (काप्र) : प्रदेश सरकार ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए स्टेशन के मास्टर कैंटीन की तरफ एलिवेटेड ड्राइव-वे और एग्जिट रोड के निर्माण कार्य

को मंजूरी दे दी है। इससे परियोजना के जल्दी पूरा होने की उम्मीद है। इससे पूर्व भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने भूमि आवंटित की है। अब राज्य सरकार ने इस पर एलिवेटेड एप्रोच और एग्जिट रोड के निर्माण की अनुमति दे दी है। स्टेशन का विकास ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) द्वारा किया जा रहा है। व्यापक स्टेशन पुनर्विकास के हिस्से के रूप में, स्टेशन परिसर के भीतर पार्किंग क्षेत्रों और वाणिज्यिक स्थानों का विकास भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण के परामर्श से किया जाएगा। बीडीए उन्हें आवंटित भूमि पर व्यावसायिक क्षेत्र विकसित करने की भी योजना बना रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रेलवे स्टेशन और बीडीए दोनों के हित संरेखित हों, जिससे भविष्य के लिए एक आधुनिक, जीवंत स्टेशन परिसर का निर्माण हो सके। यह विकास भुवनेश्वर स्टेशन पुनर्विकास और आधुनिकीकरण परियोजना को पूरा करने में तेजी लाने में मदद करेगा। भारतीय रेलवे पुनर्विकास परियोजना में 419 करोड़ का निवेश कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और सुख-सुविधाएं निर्मित होंगी। इसमें दोनों तरफ से प्रवेश, सभी प्लेटफॉर्म को जोड़ने वाला एक एयर-कॉन्कोर्स, अलग-अलग प्रवेश और निकास बिंदु, लिफ्ट और एस्केलेटर, बैगेज सुरक्षा चेक-इन क्षेत्र, सूचना केंद्र, फूड प्लाजा, वेटिंग रूम आदि शामिल हैं।

MCL
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
जागृति विहार, बुर्ला- 768020, जिला-सम्बलपुर (ओड़िशा)
दूरभाष (ईपीएबीएक्स): 0663-2542461 से 469 वेबसाइट: www.mahanadicoal.in
सूचना
"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"
R-5239

पूर्व तट रेलवे
राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारियों की पुन:नियुक्ति के लिए सांकेतिक सूचना
रिक्ति सूचना सं.-01/2025
ECoR/Pers/04/Engg./HQ/Re-Eng./Retd./State-Gov. Revenue/Forest Official/25 दिनांक 23.01.2025
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्व तट रेलवे / भुवनेश्वर के अधीन रेल प्रोजेक्ट में सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुबंध के आधार पर जहां भूमि अधिग्रहण शामिल है, वहां राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति।
पद - सलाहकार (भूमि अधिग्रहण अधिकारी) / वन परिक्षेत्र अधिकारी / फॉरेस्ट रेंजर। रिक्ति पद सं. : 03 (तीन)
विधिवत भरे आवेदन पत्र को एक लिफाफे में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्व तट रेलवे, द्वितीय तल, दक्षिण ब्लॉक, रेल सदन, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओड़िशा-751017 के कार्यालय के पते पर भेजा जाना चाहिए। लिफाफे के ऊपर "सलाहकार (भूमि अधिग्रहण अधिकारी) / वन परिक्षेत्र अधिकारी / फॉरेस्ट रेंजर पद के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए।
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22.02.2025 है
शैक्षणिक योग्यता / उपयुक्तता, आयु, पारिश्रमिक, नियुक्ति की अवधि, आवेदन प्रारुप एवं अन्य विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in (About us > HQ Departments > Personnel > Notification) का अवलोकन करें।
प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, मुख्यालय / पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर
PR-931/P/24-25

द. पू. रेलवे - निविदा
भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी, दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। क्र. सं. एवं निविदा सूचना संख्या; कार्य का नाम; निविदा मूल्य; जमा बयाना राशि : (1) सीकेपी-साउथ-24-25-38, दिनांक: 28.01.2025; वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण)/चक्रधरपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन डंगोआपोसी (डीपीएस) रेलवे स्टेशन पर आरओएच/सिक लाइन शेड के लिए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस बिल्डिंग का प्रावधान तथा सी एंड डब्ल्यू यार्ड में रेक जांच सुविधाओं का सुधार। कार्य का दायरा : (1) संभावित आकार 46 मी. x 11 मी. के साथ जी + 1 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस बिल्डिंग, (2) कंप्रेसर रूम (25 मी. x 7 मी.), (3) पैनल रूम (10 मी. x 7 मी.), (4) डीजी रूम 15 मी. x 7 मी., (5) 600 मीटर लम्बी एवं 2.5 मीटर चौड़ी (संभावित लोकेशन तथा आकारों) के लिए लाइन संख्या 1-2, 2-3, 3-4, 4-5, 5-6, 6-7 के बीच सीमेंट कंक्रीट पाथवे का निर्माण; रु. 4,69,35,477.98; रु. 3,84,700। (2) सीकेपी-साउथ-24-25-48, दिनांक : 28.01.2025; वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण)/चक्रधरपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन डंगोआपोसी रेलवे स्टेशन पर एनरूट रोलिंग इन सुविधाओं का सुधार तथा डंगोआपोसी में सी एंड डब्ल्यू यार्ड में आरओएच शेड का सिक लाइन कवर शेड द्वारा (50 मीटर x 22 मीटर) विस्तार; रु. 4,86,43,934.70; रु. 3,93,200। निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 0 (प्रत्येक के लिए)। खुलने की तारीख : 18.02.2025 (प्रत्येक के लिए)। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदादाता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। द्रष्टव्य : ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को नि:शुल्क जारी किये जायेंगे (प्राधिकारी - रेलवे बोर्ड की पत्र संख्या 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांक 16.07.2020)। (PR-1072)